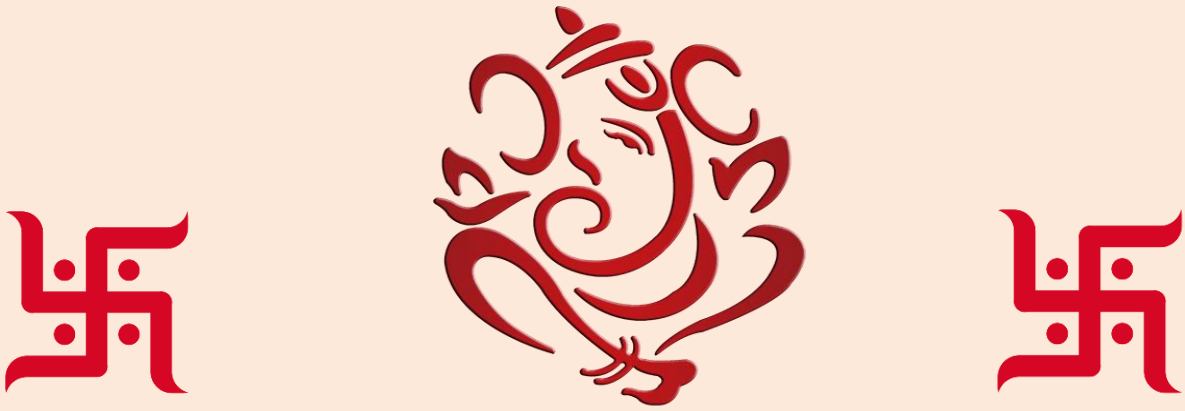

|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Saurabh Siwach	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	02 / 04 / 1992	TIME OF BIRTH :	11:15:00 AM
CITY :	Meerut	STATE :	Uttar Pradesh
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Government Job Analysis Report
QUESTION(S) :	Job aur vyapaar sambandhi jaankari chahiye sir.		
Mobile No. : 9760984715		Email ID : saurabhsiwach7@gmail.com	
ORDER ID : #1069	PAYMENT ID : 284471283	AMOUNT : ₹570	
Order Date : 09/11/2019		Delivery Date : 13/11/2019	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	मिथुन
चंद्र राशि :	मीन
ईष्ट देव :	हनुमानजी

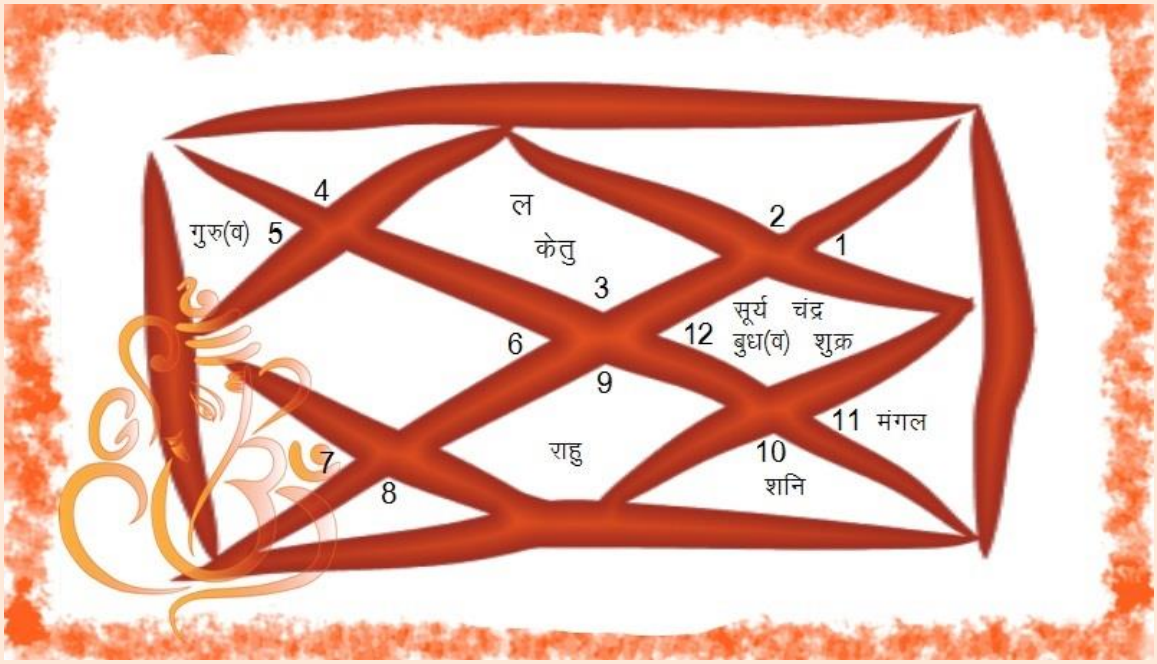

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमान सौरभ सिवाच जी आपकी कुंडली अनुसार आप एक स्पष्ट वक्ता हैं | मिलजुलकर सबको साथ लेकर चलने वाले एवं स्वभाव से दयालु हैं | आप किसी के दबाव अथवा प्रभाव में कार्य करना पसंद नहीं करते हैं | किसी की जीहजूरी करना आपको पसंद नहीं है | प्राइवेट नौकरी आप करना पसंद नहीं करेंगे | सरकारी नौकरी के लिए आप प्रयास कर सकते हैं | वर्तमान में आपकी कुंडली अनुसार सरकारी नौकरी प्राप्ति का समय चल रहा है | दिसंबर, 2020 एवं मई, 2021 में संभावनाएं अधिक बनेंगी इस समय अवसर मिले तो उसे व्यर्थ न जाने दें एवं पूर्ण प्रयास करते रहे | इस समय किये गए प्रयास व्यर्थ नहीं जायेंगे | अथक प्रयास एवं उपाय करने से आपकी सरकारी नौकरी प्राप्त होने की संभावनाएं बढ़ जाएगी | संभावनाओं को प्रबल करने हेतु आपको सूर्य ग्रह को बल प्रदान करना होगा जिसके लिए आपको अत्यंत प्रभावी उपाय दिए जा रहे हैं |

आपकी जन्म कुंडली अनुसार आप नौकरी के बदले व्यापार की ओर अधिक आकर्षित रहेंगे | व्यापार करना आपको नौकरी से अधिक फलेगा | विदेश यात्रा से आपको अत्यधिक लाभ प्राप्त होगा | व्यापार आप अभी प्रारम्भ कर सकते हैं | व्यापार में आप अपनी मंजिल तक घूम फिरकर पहुंचेंगे | व्यापार प्रारम्भ करने में भी कभी आगे बढ़ेंगे कभी पीछे | मन कई बार बदलेगा जिस कारण व्यापार भी कई बदलगे | कई व्यापार भी एक साथ चला सकते हैं | जीवन में आपको बुरे समय में सरकार एवं विदेश से लाभ मिलगा |

मोटर इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल डिजाइनिंग, कंप्यूटर प्रोग्रामर, ग्राफिक डिजाइनिंग, पब्लिकेशन हाउस, एडिटिंग जैसे कार्य - व्यापार आपके लिए उत्तम फलदाई रहेंगे एवं इन्ही क्षेत्रों में आप नौकरी भी कर सकते हैं |

विशेष उपाय :-

♦ प्रातः सूर्योदय से पूर्व स्नान आदि से निवृत होकर सूर्य उदय होने से पूर्व, पूर्वमुखी होकर लाल रंग के आसान पर घर की छत्त अथवा खुले स्थान पर बैठ कर सूर्य आदित्य स्तोत्र का पाठ आरम्भ इस प्रकार करें कि सूर्योदय से पूर्व प्रारम्भ होकर सूर्योदय के पश्चात समाप्त हो | तत्पश्चात लोटे (ताम्बे) के जल में शक्कर डालकर सूर्य को अर्घ दें | 108 रविवार करें |

♦ 100 / 150 / 200 ग्राम, 80% शुद्धता का परद शिवलिंग घर लाएं व शुक्ल पक्ष के सोमवार के दिन प्रातः सूर्योदय से पूर्व पूजन स्थल पर स्थापित करें | प्रतिदिन कच्चा दूध (गाय का हो तो उत्तम), शक्कर, शहद, गंगाजल, घी, कुमकुम, चन्दन से अच्छी प्रकार से मलमलकर स्नान कराएं | उलटे हाथ में कुछ मात्रा में अक्षत लेकर सीधे हाथ से "ॐ नमो शिवाय" मन्त्र से पांच बार में चढ़ाएं | घी का दीपक जलाएं | तत्पश्चात

एक रुद्राक्ष की माला "ॐ नमो शिवाय" मंत्र का जाप करें | शिव पंचाक्षर स्तोत्र, शिव द्वादशज्योतिर्लिंग स्तोत्र का पाठ करें | स्नान कराये जल को पूजन के पश्चात अपने घर व कार्यस्थल पर छिड़कें |

♦ गुरु की सेवा करें | बड़े बुजुर्गों की सेवा करें |

♦ हनुमान जी की पूजा करें | मंगलवार के दिन चोला चढ़ाएं ||

♦ शुक्ल पक्ष के रविवार से प्रारम्भ कर गाजर, टमाटर, गुड़ अथवा सुविधानुसार कोई एक वस्तु 21 रविवार एवं इसके पश्चात निरंतर लाल गाय को खिलाएं |

♦ पिता अथवा गुरु के चरण प्रतिदिन स्पर्श करें |

♦ शुक्ल पक्ष के रविवार से प्रारम्भ कर प्रतिदिन लाल चन्दन से स्नान करें |

♦ एक ही आकार और वजन के तीन ताम्बे के टुकड़े लें | एक टुकड़ा शुक्ल पक्ष के रविवार को दान कर दें, दूसरा बहते पानी में प्रवाहित कर दें व तीसरा टुकड़ा सदैव अपने पास रखें |

♦ गाय अथवा बकरी को बुधवार के दिन हरा चारा खिलाएं |

♦ शुक्रवार के दिन कन्याओं को सफ़ेद रसगुल्ले अथवा सफ़ेद रंग की मिठाई खिलाएं |

♦ शुक्रवार के दिन श्रीसूक्त का पाठ करें, लक्ष्मी जी का एक अथवा दो स्फटिक की माला से "ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यैनमः" मंत्र जाप करें|

♦ सिगरेट, मदिरा, मांस का प्रयोग न करें अथवा कम करें |

रत्न निर्धारण :-

आपके प्रश्न अनुसार आपकी मनोकामना पूर्ण करने के लिए आपको माणिक्य एवं पीताम्बरी नीलम धारण करने का परामर्श किया जाता है |

माणिक्य रत्न धारण करने की विधि :

सूर्य देव के रत्न माणिक्य अथवा रुबी को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का माणिक्य रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात

कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल माणिक्य स्वर्ण या ताम्बे की अंगूठी में जड़वाएं | किसी भी शुक्लपक्ष के प्रथम रविवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात् अपने दाये हाथ

की अनामिका में धारण करें | धारण करने से पूर्व माणिक्य युक्त अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में लगभग तीस मिनट तक डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती सूर्य देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे सूर्य देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा हूँ | मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर "ॐ घ्रणिः सूर्याय नमः" मन्त्र का जाप 108 बारी करते हुए अंगूठी को अगरबती के ऊपर से 108 बार घुमाये और अंगूठी को विष्णु या सूर्यदेव के चरणों से स्पर्श करवा कर अनामिका में धारण करे |

नीलम रत्न धारण विधि :-

नीलम अथवा ब्लू सफायर रत्न को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का नीलम रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल नीलम स्वर्ण धातु की अंगूठी में जड़वाएं | किसी शुक्ल पक्ष के प्रथम शनि वार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी की प्राण प्रतिष्ठा करे | इसके लिए अंगूठी को सबसे पहले पंचामृत अर्थात गंगा जल, दूध, घी, केसर एवं शहद के घोल में 15 से 20 मिनट तक डाल के रखे, तत्पश्चात स्नान के पश्चात किसी भी मंदिर में शनि देव के नाम 5 अगरबत्ती जलाये, अब अंगूठी को घोल से निकाल कर गंगा जल से धो ले, अंगूठी को धोने के पश्चात उसे 11 बारी "ॐ शं शानिश्चार्ये नमः" मन्त्र का जाप करते हुए अगरबत्ती के उपर से घुमाये, तत्पश्चात अंगूठी को शिव के चरणों में रख दे एवं प्रार्थना करे कि "हे शनि देव में आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा हूँ कृपा कर मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे" तत्पश्चात अंगूठी को शिव जी के चरणों से स्पर्श कराएं व मध्यमा ऊँगली में धारण करे |

नोट :- रत्न अच्छी क्वालिटी का व दोषमुक्त ही धारण करना उत्तम फलदाई होता है | दोषयुक्त व नकली रत्न विपरीत प्रभाव भी दे देते हैं | रत्न समय के साथ धीरे-धीरे व एक-एक कर धारण करते रहें | तुरंत धारण आवश्यक नहीं है, क्यूंकि यह कॉस्टली होते हैं | रत्न विश्वासपात्र व्यक्ति अथवा विश्वसनीय स्थान से ही खरीदें|

ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —